कविता-संग्रह

पदचाप के साथ

शंकरानंद

न रोशनी खिली है न छाया का चेहरा साफ है / लेकिन आभास हो रहा है
किसी के आने का/धीरे-धीरे लेकिन पदचाप के साथ

कविता-संग्रह

पदचाप के साथ

शंकरानंद

माता–पिता
और
पत्नी हेमा के लिए

अनुक्रम

बल्ब	7	सरकार	30
जिद	8	भाव	31
सिक्के का मूल्य	9	नक्शा	32
किला	10	शिशु	33
फैसला	11	गुल्लक	34
किसी की	12	नामांकन	35
मौत का कुआँ	13	तहों में	36
घड़ी	14	आत्महत्या	37
ऊँघती स्त्री	15	किसान	38
रंगत	16	पतंग	39
नमक	17	छत	40
पदचाप	18	मैं मजदूर	41
घंटी	19	अब यहाँ	42
समय	20	दो बहनें	43
बागी	21	न्याय	45
तुम रोशनी	22	कहने को	46
खाता	23	छाप	47
चित्र	24	जिसे आना है	48
पोखर	25	बरतन	49
तब	26	साथ	50
कीमत	27	जन्म	51
हारने वाले बच्चे	28	ऊँघने का समय	52
बजट	29	अन्याय	54

गुलाम 55
जिसने भी 56
मामा का घर 57
आजादी 61
लोहा 62
एक दिन 63
नरम नहीं 64
रामज्योति देवी 65
असर 67
कोई 68
पोस्टकार्ड 69
दादा जी 70
दुःस्वप्न 71
आठवाँ दिन 72
थाली 73
ऐसा भी होगा 74
तब 75
लगातार 76
स्वाद 77
बुखार 78
पंख 79
खरोंच 80
तोड़ना 81
कुछ दिन 82
फसल 83
आँख 84
ख़बर 85
कटाव 86
अंततः 87
सूर्य 88
घर 89

टिमटिम 90
पता 91
धूल में 92
इंतजार 93
लताएँ 94
सिक्का 95
जब 96
विश्वास 97
यात्रा 98
पंखुड़ियाँ 99
दाग 100
पिता 101
अंतिम समय में 102
बन रहा है 104
जमीन 105
रास्ता 106
लड़कियाँ 110
दिन 111
कीड़े 112
समुद्र 113
अगर 114
फूँकना 115
धुन 116
काश 117
कारीगर 118
राह 119
कबूतर 120
मुड़ने के बारे में कविताएँ 122
जरूरी नहीं 123
आधी रात 124

बल्ब

इतनी बड़ी दुनिया है कि
एक कोने में बल्ब जलता है तो
दूसरा कोना अँधेरे में डूब जाता है

एक हाथ अँधेरे में हिलता है तो
दूसरा चमकता है रोशनी में
कभी भी पूरी दुनिया
एक साथ उजाले का मुँह नहीं देख पाती

एक तरफ रोने की आवाज गूँजती है तो
दूसरी तरफ कहकहे लगते हैं
पेट भर भोजन के बाद

जिधर बल्ब है उधर ही सब-कुछ है
इतना साहस भी कि
अपने हिस्से का अँधेरा दूसरी तरफ धकेल दिया जाता है

एक कोने में बल्ब जलता है तो
दूसरा कोना सुलगता है उजाले के लिए दिन-रात।

जिद

एक स्त्री ने अंततः सुलगा लिया चूल्हा और
भीगी लकड़ियाँ भी सिझाने लगी
तवे पर रोटी

कुछ स्वाद का असर था कुछ भूख का
एक थका-मरा आदमी नींद से जग गया
उसे पत्थर तोड़ना था

इसी समय कोई लोहे का जंग छुड़ा रहा था
कोई धरती में भर रहा था बीज

जो काँच धूप रोकती थी
उसे एक बच्चे ने पत्थर मार कर तोड़ दिया।